



Sagar Omji Upadhyay

02 Sep 1986

01:30 PM

Manmad

Model: web-freelalkitab

Order No: 121878702

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 02/09/1986
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 13:30:00 घंटे
इष्ट _____: 18:03:51 घटी
स्थान _____: Manmad
राज्य _____: Maharashtra
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

अक्षांश _____: 20:15:00 उत्तर
रेखांश _____: 74:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:32:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:57:56 घंटे
वेलान्तर _____: 00:00:11 घंटे
साम्पातिक काल _____: 11:42:39 घंटे
सूर्योदय _____: 06:16:27 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:46:53 घंटे
दिनमान _____: 12:30:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 15:53:34 सिंह
लग्न के अंश _____: 24:05:53 वृश्चिक

चैत्रादि संवत / शक _____: 2043 / 1908
मास _____: भाद्रपद
पक्ष _____: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 13
तिथि समाप्ति काल _____: 12:26:27
जन्म तिथि _____: 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: आश्लेषा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 27:47:57 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: आश्लेषा
सूर्योदय कालीन योग _____: परिघ
योग समाप्ति काल _____: 22:19:38 घंटे
जन्म योग _____: परिघ
सूर्योदय कालीन करण _____: वणिज
करण समाप्ति काल _____: 12:26:27 घंटे
जन्म करण _____: विष्टि
भयात _____: 27:19:47
भभोग _____: 63:04:38
भोग्य दशा काल _____: बुध 9 वर्ष 8 मा 4 दि

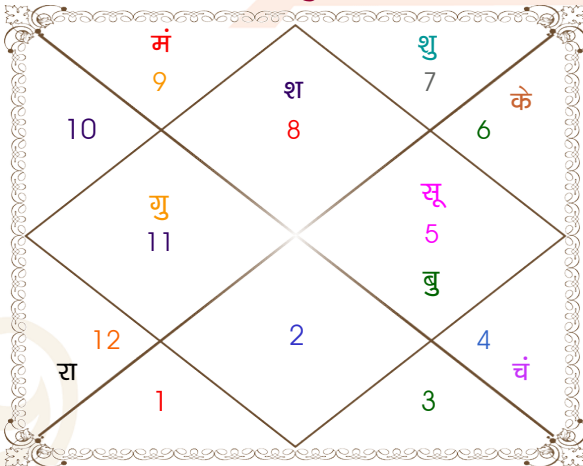
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	वृश्चिक	24:05:53	---	--	--	--	नेक
सूर्य	सिंह	15:53:34	मूलत्रिकोण	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	कर्क	22:24:32	स्वराशि	--	--	--	नेक
मंगल	धनु	20:40:50	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	सिंह	12:36:28	मित्र राशि	--	--	--	नेक
गुरु	व कुम्भ	25:19:08	सम राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	तुला	01:46:30	मूलत्रिकोण	--	--	--	नेक
शनि	वृश्चिक	09:56:36	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
राहु	व मीन	27:56:38	सम राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व कन्या	27:56:38	शत्रु राशि	--	--	--	नेक

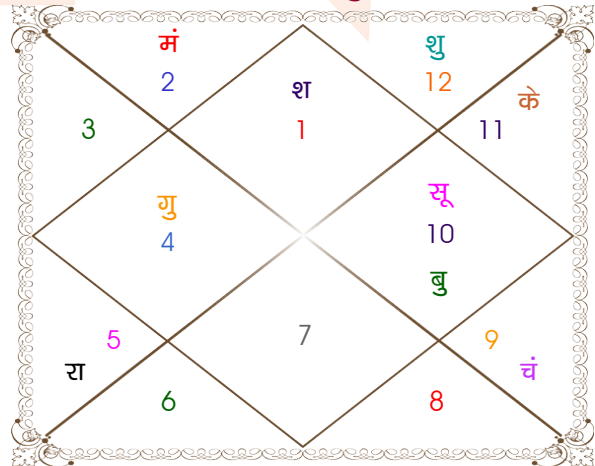
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था के प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकते हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगे। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगे। आप बहुत वहम करेंगे। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता से दूर होना पड़ सकता है। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्चपद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगे तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नजर और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न देवें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती पगड़ी या टोपी पहनें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से आप दुःखियों के हमदर्द, समाज में आदरणीय, पैतृक जायदाद मिलेगी और उससे अधिक लाभ होगा। हर प्रकार से जीवन उत्तम बीतेगा। आपके जीवन के 24वें वर्ष में चंद्रमा का अच्छा फल मिलेगा। आप घूमने-फिरने के शौकीन होंगे। तीर्थयात्रा भी करेंगे। आपका स्वभाव सरल, संगीत में रुचि रखने वाले, धार्मिक और कुशल कार्यकर्ता होंगे। आप गणित विद्या के माहिर होंगे। आप धर्म का पालन करेंगे। आपको अच्छी संतान का सुख नसीब होगा। आपके धन-दौलत में बरकत होगी। 34 वर्ष की आयु के बाद साधारण लेकिन 48 वर्ष की आयु के बाद आर्थिक हालात अच्छी

हो जाएगी। आप विदेश का सफर करेंगे। दान-धर्म के कार्यों में पूरी दिलचस्पी रखेंगे। पिता के प्रति अच्छा व्यवहार रहेगा। पिता का पूरा सुख नसीब होगा। कभी-कभी आपसे गलत काम हो सकते हैं इसका विशेष ध्यान रखें। स्वभाव से साधू तथा व्यवहार में नम्र होंगे। यदि सिंह बन कर रहना चाहें तो उथल-पुथल होती रहेगी। आपके लिए नम्र बन कर रहना ही शुभकारक है। आप जीवन में तरक्की की चोटी तक पहुंच जाएंगे।

यदि आपने धार्मिक कार्यों के विरुद्ध कार्य किया या धर्म के नाम पर चंदा मांगा, माता को कष्ट दिया या माता का विरोध किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी अक्ल धोखा देगी, आपका छोटा दिल होगा और आवारा घूमने से हानि होगी। चांदी-पानी-चावल आदि सफेद वस्तुओं का कार्य हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ-झूठ से दूर रहें।

उपाय :

1. तीर्थ यात्रा करें या धार्मिक कार्य करें।
2. चंद्र ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।